आज़ादी का अमृत महोत्सव

Indian Council of Social Science Research

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय

अमरकंटक, मध्य प्रदेश

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

नए भारत में अंतर सांस्कृतिक संचार : स्वच्छता, आत्मनिर्भरता एवं समृद्धि

Intercultural Communication in New India : Cleanliness, Self-reliance and Prosperity

(दिनांक : 5 - 6 अगस्त, 2022)

SPONSORED BY INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH, NEW DELHI

अध्यक्ष
प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
माननीय कुलपति
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय,
अमरकंटक (मध्यप्रदेश)

मुख्य अतिथि
श्री नंदकुमार जे.
अखिल भारतीय संयोजक, प्रज्ञाप्रवाह

प्रो. मनीषा शर्मा
(संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष)
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
अमरकंटक, मध्य प्रदेश

डॉ. नागेन्द्र कुमार सिंह
(सेमिनार संयोजक)
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

उप -विषय

- संचार माध्यम और भारतीय संस्कृति।
- अन्तर सांस्कृतिक संचार में नये संचार माध्यम।
- सांस्कृतिक अनुकूलन और संचार की शक्तिः चुनौतियाँ और संभावनाएं।
- अन्तर सांस्कृतिक संचार और सांस्कृतिक विविधता में सोशल मीडिया।
- जनजातीय संस्कृतिः स्वच्छता, स्वावलंबन एवं समृद्धि।
- सोशल मीडिया में 'स्वच्छता अभियान' एवं'आत्मनिर्भर' का अवदान।
- समाज, स्वास्थ्य और समृद्धि में भारतीय संचार तंत्र।
- स्वच्छता, स्वावलंबन एवं समृद्धि में प्रगति के आयाम।
- भारत में स्वच्छता आन्दोलन की पृष्ठभूमि में जनजातीय संचार।
- स्वच्छ भारत अभियानः पर्यावरण जागरूकता और गाँधीवादी दृष्टिकोण।
- अर्थव्यवस्था से स्वावलंबन एवं समृद्धि के आयाम।
- आत्मनिर्भर भारत के अन्तर सांस्कृतिक संचार में जनजातीय समाज।

Sub-theme

- Media and Indian Culture.
- New media in intercultural communication
- Cultural adaptation and the power of communication: Challenges and possibilities.
- Intercultural communication and social media in cultural diversity.
- Tribal Culture: Cleanliness, Independence and Prosperity.
- Contribution of 'Swachhta Abhiyan' and 'Atmanirbhar' in social media.
- An Indian communication system in society, health and prosperity.
- Dimensions of progress in cleanliness, self-reliance and prosperity
- Tribal communication in the background of the cleanliness movement in India.
- Swachh Bharat Abhiyan: Environmental Awareness and Gandhian Approach.
- The dimensions of self-reliance and prosperity from the economy.
- Tribal Society in Intercultural Communication of Atmanirbhar Bharat.

IMPROTANT DATES :
Abstract Submission last date : 15 July, 2022
Full paper Submission last date : 20 July, 2022
Email for paper submission: igntunationalseminar@gmail.com
Registration Link : https://forms.gle/JEVGEus4eP4ugzT98
Presentation Mode : Offline and Online

BANK DETAILS :
Account Name : NATIONAL SEMINAR JMCIGNTU
Account No - 110057105112 IFCS - CNRB0006752
Bank - CANARA BANK, Branch - AMARKANTAK

CONTACT DETAILS
FOR REGISTRATION AND SUBMISSION OF PAPER
Dinesh Narsingh Maurya - 9918787572
Vivek Kumar Singh - 8299091385, 9532773087
Shashank Dwivedi - 8349241291

आयोजक
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश

अमरकंटक : अमरकंटक मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित एक पवित्र स्थान है। यह स्थान एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल और पवित्र नदी माँ नर्मदा का उद्गम स्थल है। इसके अतिरिक्त, यह सोन और जोहिला नदियों का उद्गम स्थल भी है। हरे भरे जंगल से घिरे धार्मिक–आध्यात्मिक स्थल को देखने के लिए हजारों तीर्थयात्री और पर्यटक प्रतिदिन अमरकंटक आते हैं। रात में हल्की ठंड के साथ मौसम सामान्य रूप से सुहावना रहता है। विश्वविद्यालय अमरकंटक शहर से 18 किमी की दूरी पर स्थित है और 24 किमी दूर निकटतम रेलवे स्टेशन पेंड्रा रोड के माध्यम से रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। निकटतम हवाई अड्डा रायपुर और जबलपुर है, जो विश्वविद्यालय से लगभग 220 किमी दूर स्थित है।

शोध पत्र आमंत्रण : इस राष्ट्रीय सेमिनार के लिए शिक्षाविदों, मीडियाकर्मियों, शोधार्थियों, पीजी छात्रों, और अन्य जो मीडिया और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, से प्रस्तुतियों के लिए शोध पत्र आमंत्रित हैं।

शोध पत्र भेजने के दिशा निर्देश : शोध पत्र सिर्फ हिंदी और अंग्रेजी भाषा में ही मान्य होंगे। शोध सारांश 250 से 300 शब्द और पूर्ण शोध पत्र 3000 से 4000 शब्द अधिकतम सीमा तक प्रतिबंधित है। हिंदी शोध पत्र कृतिदेव 10 या यूनिकोड फॉन्ट साइज 14 में तथा अंग्रेजी शोध पत्र टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट साइज 12 में एमएस वर्ड फाइल में ही स्वीकार किये जाएंगे। शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रस्तुति प्रमाण पत्र दिये जायेंगे। चयनित शोध पत्रों का प्रकाशन आईएसबीएन पुस्तक में किया जायेगा और इसका विमोचन सेमिनार के उद्घाटन सत्र में किया जायेगा।

IMPROTANT DATES :

Abstract Submission last date : 15 July, 2022
Full paper Submission last date : 20 July, 2022
Email for paper submission: igntunationalseminar@gmail.com
Registration Link : https://forms.gle/JEVGEus4eP4ugzT98
Presentation Mode : Offline and Online

REGISTRATION FEE :

- For Academician, Professionals with copy of Published Book : **Rs. 1500 (With Accommodation)**
- For Research Scholar and Other Students with Copy of Published Book : **Rs. 1000 (With Accommodation)**
- For Academician, Professionals, Research Scholar and other students only for paper presentation without copy of Published book : **Rs. 500 (Without Accommodation)**

BANK DETAILS :

Account Name : NATIONAL SEMINAR JMCIGNTU
Bank - CANARA BANK, Branch - AMARKANTAK

अध्यक्ष
प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
माननीय कुलपति
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्यप्रदेश)

मुख्य अतिथि
श्री नंदकुमार जे.
अखिल भारतीय संयोजक
प्रज्ञाप्रवाह

डॉ. नागेन्द्र कुमार सिंह
(सेमिनार संयोजक)
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
अमरकंटक, मध्य प्रदेश

आयोजक समिति के सदस्य

प्रो. मनीषा शर्मा (संकायध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)
प्रो. राघवेन्द्र मिश्रा (प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)
डॉ. कृष्ण मूर्ति बी.वाय. (कारिता एवं जनसंचार विभाग)
सुश्री अभिलाषा तिर्की (सहायक प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)
डॉ. वासु चौधरी (सहायक , पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग)

CONTACT DETAILS

FOR REGISTRATION AND SUBMISSION OF PAPER

Dinesh Narsingh Maurya - 9918787572
Vivek Kumar Singh - 8299091385, 9532773087
Shashank Dwivedi - 8349241291

Department of Journalism and Mass Communication
Faculty of Journalism and Mass Communication
Indira Gandhi National Tribal University
Amarkantak, Madhya Pradesh (INDIA)- 484887

आज़ादी का अमृत महोत्सव
Indian Council of Social Science Research
Azadi Ka Amrit Mahotsav

आज़ादी का अमृत महोत्सव
Indian Council of Social Science Research

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) | Amarkantak (M.P.)
(भारतीय संसद में पारित अधिनियम द्वारा स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by an Act of Parliament of India)

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
आजादी के अमृत महोत्सव में
नए भारत का अंतर सांस्कृतिक संचार : स्वच्छता, आत्मनिर्भरता एवं समृद्धि
(दिनांक : 5 - 6 अगस्त, 2022)

Azadi Ke Amrit Mahotsav Me
Intercultural Communication of New India : Cleanliness, Self-reliance and Prosperity

SPONSORED BY
INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH, NEW DELHI

आयोजक
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश

नए भारत में अंतर सांस्कृतिक संचार : स्वच्छता, आत्मनिर्भरता एवं समृद्धि :

भारत एक विशाल एवं विविधता वाला देश है। विविधता का स्वरूप ही नवीनता है। नवीनता राष्ट्र गौरव है। गौरव किसी भी राष्ट्र की पहचान है। पहचान उसकी संस्कृति है। संस्कृतियों का आपस में सामंजस्य एवं समागम मानवीय समाज के जीवन का आधार है। अन्तर सांस्कृतिक समन्वय के लिए यह आवश्यक है कि भारतीय जन समुदायों में अन्तर सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकसित हो, जिससे विभिन्न संस्कृतियों के लोगों में परस्पर सद्भाव एवं सहयोग की भावना विकसित हो सके और सामाजिक–सांस्कृतिक प्रक्रिया को शक्ति मिले।

नये भारत का संदर्भ मानवीय, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयामों से है। भारत ने वर्तमान परिवेश में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक क्षेत्रों में नये आयामों को स्थापित किया है। ये नये आयाम अन्तर सांस्कृतिक संचार के रूप में वैश्विक परिवेश में स्थापित हुए हैं। जिन कार्यों को हम उपेक्षा की दृष्टि से देखते थे, वर्तमान सरकार ने उनको साकार किया और भारत की वैदिक परंपरा जिसमें स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, संस्कृति एवं समृद्धि पर निरंतर बल दिया जाता रहा है वह लोकल के लिए वोकल, विश्वनाथ एवं अयोध्या कॉरिडोर के रूप में साकार होता नजर आ रहा है। अन्तर सांस्कृतिक संचार का यह नवोन्मेष निश्चय ही भारत को विश्व गुरु के रुप में प्रतिष्ठापित करेगा और वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्श को फलीभूत करने का माध्यम सिद्ध होगा।

उप विषय :

- संचार माध्यम और भारतीय संस्कृति।
- अन्तर सांस्कृतिक संचार में नये संचार माध्यम।
- सांस्कृतिक अनुकूलन और संचार की शक्तिः चुनौतियाँ और संभावनाएं।
- अन्तर सांस्कृतिक संचार और सांस्कृतिक विविधता में सोशल मीडिया।
- जनजातीय संस्कृति : स्वच्छता, स्वावलंबन एवं समृद्धि।
- सोशल मीडिया में 'स्वच्छता अभियान' एवं 'आत्मनिर्भर' का अवदान।
- समाज, स्वास्थ्य और समृद्धि में भारतीय संचार तंत्र।
- स्वच्छता, स्वावलंबन एवं समृद्धि में प्रगति के आयाम।
- आत्मनिर्भर भारत की संस्कृति और सामाजिक परिवर्तन में अंतर सांस्कृतिक संचार का अवदान।
- भारत में स्वच्छता आन्दोलन की पृष्ठभूमि में जनजातीय संचार।
- स्वच्छ भारत अभियानः पर्यावरण जागरूकता और गाँधीवादी दृष्टिकोण।
- अर्थव्यवस्था से स्वावलंबन एवं समृद्धि के आयाम।
- आत्मनिर्भर भारत के अन्तर सांस्कृतिक संचार में जनजातीय समाज।

Intercultural Communication in New India : Cleanliness, Self-reliance and Prosperity :

India is a vast and diverse country. The nature of diversity is innovation. Innovation is the pride of the nation. Pride is the identity of any nation. Identity is its culture. The harmony and confluence of cultures is the basis of life of human society. For inter-cultural co-ordination, it is necessary that inter-cultural attitudes should be developed in the Indian people's communities. So that people of different cultures can develop a sense of mutual harmony and cooperation and can give strength to the social and cultural process.

New India refers to human culture and social dimensions. India has established new dimensions of social, economic and political in the present environment. These new dimensions have been established in the global environment with the form of intercultural communication. The works which we used to neglect, the present government has realized them.Revived the Vedic tradition of India, in which cleanliness, self-reliance, culture and prosperity has been emphasized continuously. It is being realized in the form of Vocal for Local, Vishwanath and Ayodhya Corridor. This innovation of inter-cultural communication will surely replace India as the Vishva Guru and will prove to be a medium to fulfill the ideal of Vasudhaiva Kutumbakam.

Sub-theme :

- Media and Indian Culture.
- New media in intercultural communication
- Cultural adaptation and the power of communication: Challenges and possibilities.
- Intercultural communication and social media in cultural diversity.
- Tribal Culture: Cleanliness, Independence and Prosperity.
- Contribution of 'Swachhta Abhiyan' and 'Atmanirbhar' in social media.
- An Indian communication system in society, health and prosperity.
- Dimensions of progress in cleanliness, self-reliance and prosperity
- Contribution of intercultural communication in the culture and social change of self-reliant India.
- Tribal communication in the background of the cleanliness movement in India.
- Swachh Bharat Abhiyan: Environmental Awareness and Gandhian Approach.
- The dimensions of self-reliance and prosperity from the economy.
- Tribal Society in Intercultural Communication of Atmanirbhar Bharat.

विश्वविद्यालय : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश की स्थापना 2007 में भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी। विश्वविद्यालय ने अपना अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्य 2008 से प्रारंभ किया था। विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधि भारत के सभी क्षेत्रों में फैली हुई है। विश्वविद्यालय केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संरक्षित एवं वित्तपोषित है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के शैक्षिक उत्थान और उनके उच्च शिक्षा के सपनों को साकार करना है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा और शोध उपाधि तक का अध्ययन–अध्यापन करा रहा है। विश्वविद्यालय शैक्षिक सोपान के अपने नित्य–नूतन प्रयोग एवं अनुप्रयोग के माध्यम से वैश्विक आयाम को परिलक्षित कर रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारत सरकार की स्वावलंबी, आत्मनिर्भर और विकास योजनाएं कौशल जैसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के माध्यम से प्रस्फुटित हो रही है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग : पत्रकारिता और जनसंचार संकाय और विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय परिसर में 2012 में हुई थी। विभाग ने अपनी स्थापना के समय बीजेएमसी पाठ्यक्रम की शिक्षा देना प्रारंभ किया था। 2015 में एमजेएमसी पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ हुआ। विभाग में सत्र 2016 से पी–एच.डी. प्रोग्राम की शुरुआत हुई। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में नित्य नये–नये सोपान के सपनों को साकार कर रहा है। विभाग के अनेकों छात्र एवं छात्रायें विभिन्न मीडिया संस्थानों में अपनी सेवायें दे रहे हैं। वर्तमान समय में बीए इन जेएमसी और एमए इन जेएमसी के लगभग 130 छात्र विभाग में अध्ययनरत हैं। शोध उपाधि हेतु लगभग 15 शोधार्थी शोधकार्य में संलग्न हैं। विभाग के कई शोध उपाधि धारक विद्यार्थी प्राध्यापकीय सेवा में कार्यरत हैं। विभाग के ख्यातिलब्ध आचार्यों और शिक्षकों के दिशा निर्देशन में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने अपने शैक्षिक नूतन प्रयोग और अनुप्रयोग के माध्यम से नित्य नये शैक्षिक कौशल को प्राप्त किया और कर रहा है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव